अंक 82 जुलाई –सितम्बर 2011 पंजी0 सं0 आर–43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

दिल्ली पुलिस समाचार



दीक्षांत परेड समारोह























आज जरूरत है मजबूत बीट व्यवस्था की

किसी भी पुलिसिंग व्यवस्था को कारगर एवं सक्रिय बनाने के लिए बीट व्यवस्था का सुदृढ़ एवं मजबूत होना नितांत आवश्यक है। बीट व्यवस्था पुलिस कार्य–प्रणाली की रीढ़ मानी जाती है। बीट कांस्टेबल की गतिविधियाँ, उसकी सतर्कता, लोगों के प्रति उसका व्यवहार, अपराध एवं अपराधियों के प्रति उसकी जानकारी पुलिस की सकारात्मक या नकारात्मक छवि उत्पन्न करने में अहम एवं सार्थक भूमिका निभाती है। इसीलिए बीट कांस्टेबल को न केवल अपने अधिकार क्षेत्र से बल्कि समस्त थानाक्षेत्र से अवगत होना, चौकन्ना होना, विनम्र और अपडेट होना बहुत जरूरी है। आज पुलिस कांस्टेबल के दायित्व का स्वरूप बदल गया है। पहले जहाँ कांस्टेबल ग्रामीण इलाकों में गश्त और अपराधियों की तलाश में घूमता था आज वह धरने–प्रदर्शनों, कोर्ट–कचहड़ी, विशिष्ठ व्यक्तियों की सुरक्षा या अन्य सुरक्षा बंदोबस्तों में ज्यादा व्यस्त रहता है। इसीलिए आज दोनों व्यवस्थाओं के बीच आपसी तालमेल बैठाने की जरूरत है। जमीनी सूचना और खुफिया जानकारी जुटाना परम्परागत पुलिसिंग का अहम हिस्सा है। दिल्ली पुलिस की ''पुलिस की आँख व कान बनें'' योजना को और ज्यादा प्रभावशाली व विश्वसनीय बनाने में कबाड़ी, रेहड़ीवाले, पटडीवाले, चौकीदार, ड्राइवर, फेरीवाले, मोची, नाई, कुली और साइकिल/दुपहिया में पंचर लगाने वाले व्यवसाय आदि से जुड़े लोग अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसीलिए ऐसे लोगों का विश्वास प्राप्त करने और उनसे निरंतर जुड़े रहने की आवश्यकता होती है। सुदृढ़ एवं मजबूत बीट व्यवस्था ही बुनियादी एवं प्रारंभिक समस्याओं से निपटने का बेहतर विकल्प हो सकती है। इसीलिए कम्यूनिटी इंफोर्मेशन सिस्टम को पूरी तरह विकसित करने और आम जनता का विश्वास अर्जित करने पर सदैव ध्यान केन्द्रि करना चाहिए। पुलिस का अस्तित्व ही लोगों की सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए है। इसीलिए दायित्व निर्वहन के दौरान आई हर चुनौती और अहसज स्थिति का अपने विवेकानुसार और योग्यतानुसार कानूनसम्मत सामना करना प्रत्येक पुलिसकर्मी से अपेक्षित हैं। आधुनिकता और विकास की तरफ अग्रसर समाज आज पुलिस से अच्छे प्रदर्शन की अपेक्षा रखता है। इसीलिए प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने सिर पर अशोक स्तंभ धारण करने पर गर्व महूसस करते हुए अपनी सफलता के नए आयाम स्थापित करने चाहिएँ।

8806 प्रशिक्षित सिपाही शपथ गृहण कर पुलिस परिवार में शामिल

21 सितम्बर, 2011 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में एक आकर्षक एवं भव्य पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। जिसमें 460 प्रशिक्षु महिला सिपाहियों सहित 4586 प्रशिक्षाणार्थियों ने भारतीय संविधान, देश की संप्रभुता और अंखडता की शपथ गृहण कर दिल्ली पुलिस की पूर्ण सदस्यता प्राप्त की। इसके साथ ही 17 सितम्बर, 2011 को वजीराबाद स्थित पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में भी 2022 प्रशिक्षु सिपाहियो ने शपथ गृहण की। यानि इस बैच के कुल 8806 प्रशिक्षाणार्थी पुलिस परिवार में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना ने परेड़ की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। समारोह में पुलिस आयुक्त श्री.बी.के.गुप्ता, विशेष पुलिस आयुक्त श्री अजय चड्डा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री के.के.माहेश्वरी, सयुंक्त पुलिस आयुक्त ट्रेनिंग श्री एस.एन.श्रीवास्तव के साथ–साथ सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल थे। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस का चिर–परिचित पुलिस बैंड, मीडिया के सदस्य और हजारों की संख्या में पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता ने अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि महोदय का आभार व्यक्त करते हुए सभी प्रशिक्षाणार्थियों, प्रशिक्षण स्कूल/कॉलेज के पदाधिकारियों और पुलिस परिवार के सदस्यों को मुबारकबाद देते हुए बताया कि इस बैच के प्रशिक्षाणार्थियों को Unarmed Combat, Motor Cycle Driving, Adventure training, Rescue operation, Forensic Science, Cyber Crime, Economic offence तथा Computer Fundamentals जैसे विषयों पर विशेष ट्रेनिंग देने के साथ–साथ सभी को 30 दिनों का कमांडो प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस बैच में 141 एम.ए, 6 एल.एल. बी, 144 बीएड् तथा 2441 बी.ए तक की उच्च शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षणार्थी शामिल है। विभिन्न राज्यों से दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर चयनित होने वालों में हरियाणा से 2312, राजस्थान से 2087, उत्तर प्रदेश से 1490, दिल्ली से 668, बिहार से 26,पंजाब से 10, उतराखंड से 11, हिमाचल प्रदेश 04 तथा पश्चिमी बंगाल से 07 नौजवान शामिल हैं। जिससे अधिकांश भारतीय भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिनिधित्व का आभास होता है। मुख्य अतिथि, ने परेड़ को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज/स्कूल से जुड़े पुलिस अधिकारियों एवं परेड़ में शामिल प्रशिक्षाणार्थियों को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की और कहां कि यह एक शानदार, अनुशासित और एक मनमोहक परेड़ की उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून–व्यवस्था एवं जन–विश्वास बनाए रखना पुलिस का प्रथम दायित्व है। दिल्ली पुलिस को दिल्ली की यातायात व्यवस्था और हर समय महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनके सम्मान की रक्षा करते हुए सारे देश के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होनें पारदर्शी कार्यवाही एवं खुफिया जानकारी एकत्रित करने पर जोर देते हुए लोगों का विश्वास जीतने के साथ–साथ उनके साथ इस स्तर का मर्यादित व्यवहार करने के लिए कहां जिससे वे आस–पड़ोस की सूचनाएँ पुलिस के साथ निःसंकोच शेयर कर सकें। अंत में मुख्य अतिथि महोदय ने सर्वश्रेष्ठ एवं कानून में अव्वल प्रशिक्षाणार्थी योगेश कुमार, परेड में प्रथम कां0 रोकी, पी.टी. प्रथम कां0 अशोक कुमार फायरिंग में प्रथम कां0 जगविन्द्र सिंह तथा कंमाड़ो में प्रथम कां0 विरेन्द्र कुमार को ट्रॉफी देकर सम्मानित करते हुए दिल्ली पुलिस के चिर–परिचित बैंड की भी प्रंशसा की।

भर्ती, पदोन्नति, तरक्की, स्थाईकरण एवं स्थानांतरण संबंधी खबरें

स्थानांतरण : श्री पी.कामराज मिजोरम से स्थानांतरित होने पर सयुंक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र)

पदोन्नतिः इंस्पेक्टर (एक्जीक्यूटिव) से एसीपी 08, इंस्पेक्टर (टेक्नीशियन) से एसीपी 02, सब– इंस्पेक्टर (एक्जीक्यूटिव) से इंस्पेक्टर 10, सब–इंस्पेक्टर (मिनिस्ट्रीयल) से इंस्पेक्टर 04, एएसआई (मिनिस्ट्रीयल) एसआई 02, एएसआई (एक्जीक्यूटिव) से इंस्पेक्टर 09, एएसआई (फिंगर प्रिंटर) से एसआई 01, हैडकां0 (एक्जीक्यूटिव) से एएसआई 06, हैडकां0 (मिनिस्ट्रीयल) से एएसआई 18, हैडकां0 (ड्राइवर) 01

स्थाईकरणः विभिन्न पदों के 46 पुलिसकर्मियों को उनके पदों पर स्थाई किया गया।

थानाध्यक्षों की कार्यक्षमता/कौशल का मूल्यांकन

प्राइवेट कम्पनियों में मानव संसाधनों की उपयोगिता का मूल्यांकन किये जाने की तर्ज पर दिल्ली पुलिस में भी थानाध्यक्षों का उनके कार्यक्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों से निपटने की दक्षता का पुनर्विवेचन किया जाएगा। प्रत्येक पुलिस स्टेशन का संबंधित जिला अतिरिक्त आयुक्त पुलिस/उपायुक्त पुलिस, परिक्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) तथा पुलिस आयुक्त, दिल्ली द्वारा कार्यकुशलता का मूल्यांकन किया जाएगा। कर्त्तव्य–पालन में शिथिलता और लापरवाही पाये जाने पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। **पुलिस आयुक्त, दिल्ली श्री बी.के. गुप्ता**

जिला/यूनिट के अन्दर ट्रांसफर–पोस्टिंग के लिए हर जिले में इस्टेबलिशमेंअ बोर्ड बनानले पर विचार किया जा रहा है नए बोर्ड में जिले के अतिरिक्त आयुक्त पुलिस/उपायुक्त पुलिस चेयरमैन होगें जबकि उपयुक्त पुलिस–2 तथा एसीपी हैडक्वार्टर इस बोर्ड के सदस्य होगें।

एसआई आजम खान शूटिंग में स्वर्ण पदक से सम्मानित

27वीं दिल्ली स्टेट शूटिंग चैम्पियशिप प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस के एसआई आजम खान ने स्वर्ण पदक जीत कर दिल्ली पुलिस का नाम रोशन किया है। 24 से 28 जून के बीच डॉ0 कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में आजम खान अपने कौशल एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन से उपस्थित लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ने में सफल रहे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके एस आई आजम खान ऑल इंडिया मावलंकर और नेशनल शूटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पदक जीत चुके हैं।

सर्वश्रैष्ठ बीट कांस्टेबलों में शामिल हैं:

हैडकां0 सुभाष चन्द्र (थाना मंदिर मार्ग, नई दिल्ली जिला), हैडकां0 देवेन्द्र, कां0 शिवकांत व कां0 सुखबीर (थाना मौर्या एन्कलेव, उतर–पश्चिमी जिला), कां0 जसवंत सिंह (थाना के.एन.काटजू मार्ग,बाहरी जिला), हैडकां0 रविन्द्र कुमार (थाना कीर्ति नगर, पश्चिमी जिला), हैडकां0 जगत सिंह (थाना डाबडी दक्षिण–पश्चिमी जिला), कां0 पदमसिंह (थाना रूप नगर, उतरी जिला), हैडकां0 सुरेन्द्र सिंह (थाना गोकुलपुरी ,उतर–पूर्वी जिला),कां0 शशिकपूर (थाना मयूर विहार,पूर्वी जिला), हैडकां0 शैलश कुमार (थाना करोल बाग, मध्य जिला), हैडकां0 राजेन्द्र प्रसाद व कां0 चालक राजेश (पीसीआर), महिला कां0 मालती (कोतवाली सर्कल, यातायात) तथा हैडकां0 राजकुमार (थाना सफदरजंग एन्कलेव, दक्षिणी जिला) कां0 गजेन्द्र कुमार (थाना सराय रोहिल्ला, उतरी जिला), कां0 दिनेश कुमार (थाना बाबा हरिदास नगर दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां0 विजय दत (उतर–पूर्वी जिला), कां0 सुधीर कुमार (थाना जैतपुर दक्षिण–पूर्वी जिला), कां0 साजन अली खान (थाना तिलक मार्ग नई दिल्ली जिला), कां0 अनिल कुमार (थाना हरि नगर पश्चिमी जिला), हैडकां0 रमेशचंद (थाना जहॉगीरपुरी उतर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 जोगेन्द्र सिंह (थाना बवाना, बाहरी जिला), कां0 रविन्द्र कुमार (थाना शकरपुर पूर्वी जिला), हैडकां0 कर्मबीर सिंह (यातायाता), हैडकां0 ब्रिजपाल मीणा थाना आई.पी.एस्टेट तथा कां0 रोहताश मलिक थाना चांदनी महल (मध्य जिला) कां0 प्रमोद कुमार (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अपराध शाखा) तथा हैडकां0 सुरेश कुमार (थाना मालवीय नगर दक्षिणी जिला)

उच्च शिक्षा छात्रवृति (सत्र 2010–2011) में आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.11.2011

पुलिस मुख्यालय द्वारा 19 जुलाई, 2011 को जारी पत्रांक संख्या 17176–216/प्रशासनिक शाखा (IV) के अनुसार शैक्षिक सत्र 2010–2011 की उच्च शिक्षा छात्रवृति के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर, 2011 निर्धारित की गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं कि आवेदनकर्ता पुलिसकर्मियों के आवेदनों को एसीपी /थानाध्यक्ष / आर.आई आदि द्वारा अधूरे आवेदन कर लौटाया नहीं जाएगा बल्कि उनकी उपस्थिति में ही आवेदन को पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा आवदेनकर्ता सभी दस्तावेजों को पूरा करते हुए अपना आवेदन निर्धारित तिथि तक पुलिस मुख्यालय की प्रशासनिक शाखा में सीधे तौर पर भी भेज सकते है। यदि कोई आवेदनकर्ता अपने आवेदन को पुलिस मुख्यालय तक भिजवाने में असमर्थ हैं या सरकारी कार्य में व्यस्त है तो उन्हें सीधे पुलिस मुख्यालय आवेदन प्रेषित करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा बल्कि संबंधित शाखा द्वारा अग्रसारित प्रपत्र के साथ उसी दिन पुलिस मुख्यालय में भिजवाया जाएगा।



14 जुलाई को आयोजित अन्तर्राज्जीय समन्वय कमेटी मे खुफिया एवं आपराधिक सूचनाओं के परस्पर आदान–प्रदान करने पर जोर दिया गया।





सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल पुलिस आयुक्त द्वारा पुरस्कृत

पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता ने 1 जुलाई, 2011 तथा 30 जुलाई, 2011 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित सादे समारोह में विभिन्न जिला यूनिटों के 28 सर्वश्रैष्ठ बीट हैडकां0/कांस्टेबलों को प्रशंसा पत्र एवं प्रत्येक को 2000 रु. का नगद पुरस्कार देकर समानित किया।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों पर गौरवान्वित पुलिस परिवार

15 अगस्त, 2011 की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के दो अधिकारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से तथा 20 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं जवानों में शामिल हैं अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस, क्राइम रिकॉर्ड ऑफिस एवं जनसम्पर्क अधिकारी दिल्ली पुलिस, श्री राजन भगत, महिला निरीक्षक श्रीमती यशोदा रावत (विशिष्ठ सेवाओं के लिए) तथा अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री उदय कांत चौधरी, सहायक आयुक्त पुलिस श्रीमती कमलेश कुमारी, सहायक आयुक्त पुलिस श्री राजेन्द्र सिंह मंकू, निरीक्षक जयकिशन शर्मा, निरीक्षक संजीव कुमार त्यागी, निरीक्षक कर्मचंद नेगी, निरीक्षक सवांई सिंह, निरीक्षक सोहन पाल, महिला उ0नि0 शारदा देवी, उ0नि0 ओंकार सिंह, उ0नि0 कर्ण सिंह, उ0नि0 चांद सिंह, उ0नि0 कृष्ण स्वरूप, उ0नि0 यादराम मीणा, महिला उ0नि0 वीना बाला, उ0नि0 बलराज सिंह स0उ0नि0 फैलज अली खान, स0उ0नि0 बिजेन्द्र सिंह ,स0उ0नि0 बलबीर सिंह तथा हैडकां0 चरण सिंह को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

विशिष्ट सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित



श्री राजन भगत
अति0 उपा0 पुलिस





श्रीमती यशोदा रावत
निरीक्षक

सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित



श्री यू.के. चौधरी
अति0 आयुक्त पुलिस



श्रीमती कमलेश कुमारी
स0आ0पु0



श्री राजेन्द्र सिंह मंकू
स0आ0पु0



निरीक्षक
जय किशन शर्मा



निरीक्षक
संजीव कुमार त्यागी



निरीक्षक
कर्म चंद नेगी



निरीक्षक
संवाई सिंह



निरीक्षक
सोहनपाल सोहंटी



उप-नि0
याद राम मीणा



उप-नि0 कर्ण सिंह



उप-नि0 चांद सिंह



उप-नि0 शारदा ठाकुर



उप-नि0 वीणा बाला



उप-नि0 कृष्ण स्वरूप



उप-नि0 बलराज सिंह



उप-नि0 ओंकार सिंह



स0उ0नि0 फैजल अली खान



स0उ0नि0 बलबीर सिंह



स0उप-नि0 बिजेन्द्र सिंह



हैडका0 चरण सिंह





अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई (ब्यूरों ऑफ फेडरल इन्वेस्टिगशन) की एक 13 सदस्यीय टीम ने 3 अगस्त, 2011 को पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान आंतकी घटनाओं को रोकने और आपराधिक वारदातों की जॉच से जुड़े विषयों पर परिचर्चा की। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता ने एफबीआई टीम के प्रमुख को दिल्ली पुलिस का स्मृति चिन्ह् भेंट किया।

फिल्म अभिनेता प्रतीक बब्बर ने दुपहिया चालकों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक किया।

24 जुलाई की प्रातः राजपथ–जनपथ क्रासिंग पर फिल्म अभिनेता प्रतीक बब्बर ने दिल्ली यातायात पुलिस के साथ मिलकर दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की अहमियत और उसे पहनने के तरीके बताये। इस अवसर पर सयुंक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) श्री सत्येन्द्र गर्ग के अलावा यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री प्रतीक बब्बर ने दुपहिया चालक के साथ–साथ पिछली सवारी के लिए हेलमेट पहनने की अनिवार्यता, हेलमेट की बेल्ट ठीक तरीके से बांधने, सही तरीके से हेलमेट पहनने, पूरा एवं उतम क्वालटी का हेलमेट पहनने के बारे में वाहन चालकों को जागरूक किया।

शराब पीने से कहीं ज्यादा खतरनाक है शराब पीकर गाड़ी चलानाः **मसूंरअ लीख ाानप टौदीप ूर्वं क्रिकेटर**

दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा 7 अगस्त, 2011 की प्रातः खान मार्केट इलाके में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विज्ञापन अभियान चलाया गया। इस अवसर पर पूर्व क्रिकेटर श्री मसूंर अली खान पटौदी ने वाहन चालकों को शराब पीकर गाड़ी चलाने के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लघंन करने से न केवल स्वंय का जीवन खतरे में पड़ जाता है कि बल्कि निर्दोष अन्य वाहन चालक का जीवन भी प्रभावित होता है। उन्होंनें दिल्ली के सभी वाहन चालकों से शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की। इस अवसर पर सयुंक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री सत्येन्द्र गर्ग तथा उपायुक्त पुलिस श्री संजय त्यागी भी उपस्थित थे।

कहां, कब और कैसे लगती हैः धारा–144

सीआरपीसी की धारा 144 एक निषेधात्मक आदेश है। इस धारा के तहत प्रावधान दिया गया है कि प्रभावित एवं निर्धारित क्षेत्र में 5 या उससे ज्यादा लोग एक साथ जमा नहीं हो सकते। साथ ही हथियार लाने, ले जाने पर भी प्रतिबंध होता है। इस धारा का इस्तेमाल शांति कायम रखने के लिए किया जाता है। जब कभी भी अंदेशा हो कि इलाके में शांति–भंग हो सकती है तो यह धारा लगाई जा सकती है। इसका उल्लंघन करने वाले को पुलिस धारा 107/151 के तहत गिरफ्तार करती है। गिरफ्तारी के बाद उसे इलाका एसीपी (एसडीएम) के समक्ष पेश किया जाता है। चूँकि यह अपराध जमानती है। इसीलिए बेल बॉण्ड भरने के बाद आरोपी को रिहा करने का प्रावधान है। निषेधाज्ञा के उल्लंघन के मामले में पुलिस संदिग्ध को उठाकर किसी दूसरे इलाके में भी पहुंचा सकती है और जिस इलाके में निषेधाज्ञा लगी हो, वहॉ आने नहीं देती। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले शख्स ने मैजिस्ट्रेट के सामने पेशी के दौरान यदि बेल बॉण्ड नहीं भरा तो उसे जेल भेज दिया जाता है। इस मामले में ज्यादा से ज्यादा एक साल की साधारण कैद हो सकती है। निषेधाज्ञा के उल्लंघन के दौरान कई बार पुलिस आईपीसी की धारा 188 (सरकारी आदेश का न मानना) के तहत मुकदमा दर्ज करती है। ऐसे मामले में एक महीने की कैद या 200 रूपये के जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले ने दंगा–फसाद किया हो, सरकारी काम में बाधा डाली हो या फिर मारपीट की हो तो उन मामलों में अलग से आईपीसी की धारा लगाई जाती हैं।



अपराध शाखा के अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री पी.एस.कुशवाह के नेतृत्व में एसीपी श्री एम.सी.कटौच की टीम इंस्पेक्टर जितेन्द्र सिंह, एसआई राकेश कुमार, एएसआई हंस कुमार, निराकार कौशिक, वेदप्रकाश, हरीओम, हैडकां0 बलजीत सिंह, शैलेन्द्र, रमेश कुमार,रोहताश, सुरेन्द्र, ऋषि कुमार, प्रदीप कुमार तथा कां0 रूपेश व राजेश की टीम ने 5 जुलाई, 2011 को बसंत कुंज इलाके से 5 ऐसे खूंखार बदमाशों को दबोचने में सफलता अर्जित की है जो दिल्ली,उत्तर प्रदेश व हरियाणा में अपराध का पयार्य बन चुके थे। इस संबंध में **सयुंक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री संदीप गोयल** ने संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से 7.62 बोर की सेल्फ लोडिंग राइफल व 8 कारतूस, .9 एम एम की कारबाइन और 28 कारतूस, 12 बोर की डबल बैरल गन मय 5 कारतूस, .38 बोर की रिवाल्वर 5 कारतूस, .32 बोर की रिवाल्वर व 7 कारतूस तथा 7.65 बोर की पिस्तौल और 10 कारतूस बरामद कर पुलिस टीम ने अपनी बहादुरी कर्तव्यनिष्ठा एवं पेशेवर निपुणता का एक उत्कृष्ट व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि दिल्ली नगर निगम के निलंबित एक कनिष्क अभियंता जसंवत सिंह के फार्म हाउस पर हरियाणा के कुछ खूंखार अपराधी शरण लेते हैं। अपने सूत्रों की श्रृखंला को बढ़ाते हुए पुलिस टीम हत्या, हत्या के प्रयास, लूट–पाट, कार जैकिंग सहित करीब दो दर्जन से अधिक आपराधिक वारदातों में शामिल पांच बदमाशों को बंसत कुंज स्थित जसंवत सिंह के फार्म हाउस से गिरफतार करने में सफल रही। इन बदमाशों ने प्रतिद्धंद्वी गिरोह के सदस्यों की हत्या करने के उद्देश्य से इन हथियार का संचयन किया हुआ था। गिरोह का पर्दाफाश होने से न केवल कई आपराधिक मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी बल्कि अन्य आपराधिक वारदातों को होने से भी टालने में सफलता मिली। इस शानदार सफलता के लिए पुलिस टीम बधाई एवं प्रंशसा की पात्र है।

पुलिस की समय पर मदद कर एक बड़े विमान हादसे को टालने वाले पांच दोस्तों की पुलिस द्वारा प्रंशसा

21 जुलाई की रात पांच युवाओं की जागरूकता और पुलिस की त्वरित कार्यवाही से दिल्ली में एक बड़ा विमान हादसा टालते हुए 355 जानें बचाने में आशातीत सफलता मिली है। घटना वाली रात उड़ते जहाज से उसकी कम्पनी का पता लगाने का शौक रखने वाले पांच युवा दोस्त हिमांशू सोनी, मनन सोनी, मौलिक गिलानी, कार्तिक भंडारी और जयदीप देसाई साकेत इलाके में स्थित कार्तिक के मकान की छत पर पार्टी कर रहे थे कि रात 1.45 बजे हिमांशू ने एक विमान के अगले हिस्से आग निकलती देखी। उसी समय कार्तिक ने पुलिस नियत्रण कक्ष को सूचित कर बताया कि उन्होंने अपनी छत के उपर से उड़ते एक विमान की दाहिनी तरफ से आग की चिंगरानी निकलती देखी है। पीसीआर ने तुरन्त एयरपोर्ट कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने भी स्फूर्ति से इस लाईट का पता लगाया और उसके पायलट को तत्काल वापिस एयरपोर्ट उतरने का आदेश दिया। बोईंग 777 विमान 101 दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रहा था जिसमें 339 यात्री एवं 16 क्रू मेम्बर सवार थे। हवाई अड्डे पर आपात स्थिति घोषित कर विमान को एयरपोर्ट पर सकुशल उतारा गया। जॉच के दौरान पता चला कि विमान के अगले हिस्से कें दाहिने भाग का हिस्सा आग से पूरी तरह लाल हो चुका था और उससे किसी भी समय कोई भंयकर हादसा हो सकता था। मामले की गंभीरता का पता चलने पर सभी पांचों दोस्तों की न केवल दिल्ली पुलिस ने बल्कि एयरपोर्ट प्राधिकरण व मीडिया ने भी उनकी अच्छी सूझबूझ व बहादुरी की के लिए प्रंशसा की। इसे आम जनता व पुलिस के बीच के आपसी संबंधों का बेहतरीन एवं एक अनुकरणीय उदाहरण कहा जा सकता है।

पिछले छः महीनों में संगीन वारदातों और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आईः पुलिस आयुक्त



पुलिस आयुक्त श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता ने वर्ष 2001 के छः माह पूरे होने पर 2 जुलाई, 2011 को पुलिस मुख्यालय में अर्द्ध–वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस अवसर उन्होनें बताया कि पिछले छः माह के दौरान दिल्ली में गतवर्ष के मुकाबले संगीन अपराधों और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

सफलताएँ:– अधिकांश संगीन मामलों को सुलझाने में सफलता, हत्या, बलात्कार, डकैती, सेंधमारी स्नैचिंग तथा लूटपाट, जैसी संगीन वारदातों में कमी लाना, बलात्कार के दोषियों को सजा सुनिश्चित करने, के लिए फास्ट ट्रैक ट्रायल के प्रयास करना, अपराध शाखा व स्पेशल सेल को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रशासनिक योजनाओं को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करना, महिला पुलिसकर्मियों को बीट दायित्व सौपना, महिला पुलिसकर्मियों को कमांडो प्रशिक्षण दिलाना, राजधानी में यातायात की स्थिति में सुधार और सड़क हादसों में कमी लाना, नार्थ व साउथ कैम्पस् में महिला थाने खोलना, मादक द्रव्य तस्करी में लिप्त लोगों पर अंकुश लगाना, बेसहारा बुजुर्गों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के प्रति और ज्यादा संवेदनशील होना, थानों में इमरजेंसी रेस्पासं व्हीकल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू करना, अनधिकृत लालबत्ती लगाने वालों पर शिकंजा कसना, सभी 11 जिलों से एक एक मॉडल थाना बनाने पर विशेष जोर देना, एफआईआर दर्ज करने पर जोर देने के लिए उचित दिशानिर्देश जारी करना, विभिन्न मुद्दों पर दिल्ली के नागरिकों को विज्ञापनों के माध्यम से जागरूक करना आदि। **प्राथमिकताएँ**:– दिल्ली पुलिस को और ज्यादा पब्लिक फ्रेंडली बनाना, प्रत्येक पुलिसकर्मी के कामकाज की समीक्षा करना, शोभित हत्याकांड, नीतू सोलंकी हत्याकांड,पार्सल हत्याकांड, हाईकोर्ट बम बलास्ट, जैसी अनसुलझी वारदातें सुझलाना, संगीन वारदातों और खूंखार अपराधियों पर अंकुश लगाना, निरंतर बढ़ती आबादी के हिसाब से दिल्ली पुलिस को आधुनिक व प्रशिक्षित करना, यातायात व्यवस्था में सुधार और सड़क हादसों में कमी लाना, महिला पुलिस की भागीदारी व दक्षता को बढ़ाना, गली–मोहल्ले (स्ट्रीट क्राइम) में बढ़ते अपराधों के प्रति संजीदगी दिखाना, पिकेट व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत करना, मादक द्रव्य व हथियारों की तस्करी पर अंकुश लगाना, महिलाओं एवं बुजुर्गो की सुरक्षा को प्राथमिकता देना।



92 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रित अनुकम्पा के आधार पर पुलिस परिवार में शामिल

19 जुलाई, 2011 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक Compassionate Ground मीटिंग में 92 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें 2 हैडकांस्टेबल (मिनिस्ट्रीलय) 63 पुरूष कांस्टेबल (कार्यकारी) तथा 27 महिला कांस्टेबल (कार्यकारी) शामिल है। अनुकम्पा के आधार पर चयन का निर्णय लेने वाली कमेटी में पुलिस आयुक्त, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), सयुंक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) तथा उपायुक्त पुलिस (मुख्यालय) स्तर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल होते हैं। यह कमेटी Compassionate Ground मामलों में विभिन्न मापदंड़ों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेती है।

पुलिस की फुर्ती और कैब चालक की समझदारी !



पिछले दिनों आम जनता द्वारा समय पर दी गई सूचना या मदद से न केवल बड़े हादसे टालने में मदद मिली बल्कि बदमाशों को भी सलांखों के पीछे पहुंचाने में पुलिस को सफलता मिली। 21 जुलाई को जहाँ 5 लड़कों ने समय पर पुलिस को सूचित कर एक बहुत बड़ा विमान हादसा होने से बचाया, वहीं 23 जुलाई की रात एक कैब चालक ने समझदारी से काम लेते हुए पांच बदमाशों द्वारा अगुवा की गई एक लड़की के बारे में पुलिस को समय पर सूचना देकर एक प्रंशसनीय एवं सराहनीय कार्य को अंजाम दिया। समय पर सूचना मिलने पर एसीपी महेन्द्र सिंह, थानाध्यक्ष महरौली अनिल शर्मा एसआई कुलदीप शर्मा, बंसीलाल कां0 धर्मेन्द्र, रघुवीर, मुरारी व चालक चन्द्रभान की पुलिस टीम ने भी स्फूर्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वाह किया। घटना वाली रात गुडगांव के एमजीएफ मॉल में काम करने वाली 23 व 24 वर्ष की दो लड़कियों ने अपनी दो अन्य परिचित लड़कियों के साथ मध्य रात्रि के करीब बदरपुर स्थित अपने कमरे पर जाने के लिए एक कैब किराये पर ली। कैब को मीठापुर निवासी अमित सहरावत (27) चला रहा था। इसी बीच फरीदाबाद के निकट मजेसर गांव का रहने वाला करतार सिंह अपने चार अन्य दोस्तों के साथ स्कॉर्पियों कार में उन लड़कियों का पीछा करने लगा। इससे पहले करतार सिंह नामक बदमाश ने नाइट क्लब की एक शादीशुदा कर्मचारी के सामने अश्लील प्रस्ताव रखा था। उस युवती ने उसे डांट दिया था। घिटोरनी मैट्रो स्टेशन के निकट स्कॉर्पियों कार में सवार युवकों ने लड़की सवार गाडी को ओवरटेक करके रोक लिया। लड़कियों के साथ मारपीट करते हुए उनके सेलफोन और पर्स आदि लूट लिये। साथ ही भागते समय एक लड़की को अगुवा कर जबरदस्ती अपनी गाड़ी में डाल कर फरार हो गये। कैब चालक अमित ने मौका देख कर 100 नम्बर पर पुलिस को सूचित किया। मैसज प्रसारित होने पर पीसीआर की गाड़ियों के साथ–साथ स्थानीय पुलिस भी सक्रिय हुई। पुलिस की टाटा 407 चला रहे चालक (कां0) चन्द्रभान ने स्कॉर्पियों को तीन बार टक्कर मार कर रोकने का प्रयास किया। ज्यूँहीं स्कॉर्पियों रूकी उसमें सवार चार बदमाश अलग–अलग दिशाओं में भाग लिये। परन्तु पुलिस टीम व पीसीआर की गाड़ियों ने बदमाशों को चारों तरफ से घेर कर उन्हें दबोचने में सफलता हासिल की। इस संबंध में दक्षिणी जिला उपायुक्त पुलिस **श्रीमती छाया शर्मा** ने एक संवाददाता सम्मेलन में पुलिसकर्मियों की त्वरित कार्यवाही और कैब चालक की समझदारी की भूरि–भूरि प्रंशसा करते हुए पुलिस टीम और कैब चालक को सम्मानित किये जाने के लिए पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता से अनुशंसा की।

दिन दहाड़े हुई सनसनीखेज लूटपाट की वारदात सुलझाने में पुलिस टीम की अच्छी सूझबूझ का परिचय

13 अगस्त को दक्षिण–पूर्वी जिला के अमृतपुरी इलाके में हुई लूटपाट की सनसनीखेज वारदात को सुलझाने में थाना अमर कॉलोनी की पुलिस टीम ने अपने अथक परिश्रम और पेशेवर कार्यकुशलता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। एसीपी लाजपत नगर हरचरण सिंह वर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर गोविन्द शर्मा, इंस्पेक्टर संजीव सोलंकी, एसआई के.पी.सिंह, राजकुमार तथा हैडकां0 राजेन्द्र, रामहरी पाठक व कां0 विनोद की टीम ने अमृतपुरी में अकेले रह रहे एक व्यापारी के घर हुई लूटपाट की वारदात को सर्विलांस की मदद से और अपनी पेशेवर योग्यता के बल पर 48 घंटों के अन्दर सुलझाने में शानदार सफलता अर्जित की। पुलिस टीम ने इस संबंध में दो अभियुक्तों को लोनी, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट गई रकम भी बरामद की।

ईमानदार यातायातकर्मी हैडकां0 महेश को बारी से पहले तरक्की देने की सिफारिश

राजौरी गार्डन सर्कल में 'चेज एंड चालान' डयूटी पर तैनात हैडकां0 महेश कुमार को डयूटी के अनुकरणीय ईमानदारी का परिचय देने और एक हथियारबंद बी.सी को दबोचने में दिखाए गये अदम्य साहस व कर्तव्यनिष्ठा के लिए सयुंक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री सत्येन्द्र गर्ग ने उसे आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने हेतू पुलिस आयुक्त से संस्तुति की है। 2 अगस्त की शाम लगभग 4 बजे मोटरसाइकिल पर तैनात हैडकां0 महेश ने दो मोटरसाइकिल सवारों को लाल बत्ती गुदकर करके भगाते हुए देखा तो तत्काल उनका पीछा कर उन्हें यातायात नियमों के उल्लंघन के बारे में बताते हुए दस्तावेज दिखाने को कहा। दोनों बाइक सवारों ने बहुत जल्दी होने का बहाना बनाते हुए महेश कुमार को 200 रूपये देकर वहाँ से



निकलने का प्रयास किया। अनुभवी महेश को उनके हाव–भाव देखकर आभास हुआ कि जरूर दोनों आपराधिक प्रवृति के होंगे। हैडकां0 महेश ने अपने अन्य साथियों को सतर्क करने के लिए ज्योंहि अपनी व्हिस्ल निकालने का प्रयास किया की अचानक एक बदमाश ने अपनी जेब से अमरीकन ऑटोमेटिक पिस्टल निकाल कर महेश पर दागते हुए भागने का प्रयास किया। सौभाग्यवश गोली महेश के निकट से गुजर गई। महेश ने निर्भिकता का परिचय देते उसे दबोच लिया। मौका पाकर अभियुक्त का साथी मोटरसाइकिल सहित मौके से फरार हो गया। इसी बीच यातायात पुलिस का सिपाही सिंगहेर नागशेन तथा कीर्ति नगर थाने का सिपाही विवेक भी महेश की मदद के लिए मौके पर पहुंच गये। काबू किये गये युवक की पहचान थाना गुलाबी बाग के बी.सी.सुनील के रूप में हुई जो 20 आपराधिक मामलों में शामिल बताया गया। अभियुक्त के कब्जे से थाना पंजाबी बाग, कीर्ति नगर और अशोक विहार इलाके से झपटी गई सोने की 3 चेन, एक अमेरिकन पिस्टल, दो जिंदा कारतूस व एक प्रयोगशुदा कारतूस बरामद किये गये। हैडकां0 महेश कुमार 1991 में दिल्ली पुलिस में कां0 भर्ती हुए और 2006 में हैडकां0 पदोन्नत हुए।

दक्षिणी जिला पुलिस 20 लाख की फिरौती के लिए अपहृत 12 वर्षीय आशीष को सकुशल बरामद करने में सफल रही



दक्षिणी जिला के मालवीय नगर थानाध्यक्ष अतुल कुमार, इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार, एसआई नरेन्द्र, अमित चौधरी, एएसआई इस्लामुद्दीन, हुक्मचंद, हैडकां0 किशोर, कां0 हरीकिशन, कां0 नरेन्द्र, कां0 पवन कुमार की टीम ने एसीपी मनीषी चन्द्रा के नेतृत्व में 2 अगस्त, 2011 को चिराग दिल्ली से अपहृत एक 12 वर्षीय किशोर को हरियाणा के झज्जर इलाके में स्थित बाजीदपुर गांव के एक कुएँ से सकुशल बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की है। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस **दक्षिणी जिला श्रीमती छाया शर्मा** ने 4 अगस्त को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पीड़ित परिवार के निकट ही रहने वाले एक युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर इस किशोर का अपहरण इस आधार पर कर लिया था कि बच्चे के पिता ने अभी हाल में लगभग 20 कमरों का निर्माण कराया है तो उसके पास काफी पैसा होगा। जॉच में पता चला कि अभियुक्तों ने अपने कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से इस वारदात को पैसों की तंगी के चलते अंजाम किया था। पुलिस टीम द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय पेशेवर निपुणता और कर्तव्यनिष्ठा की वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व पीडित परिजनों के साथ–साथ क्षेत्रीय जनता ने भी तहेदिल से प्रंशसा की।

फिरौती के लिए की गई हत्या की वारदात को सुलझाने में सफलता

दक्षिणी जिला के इंस्पेक्टर दलीप कुमार, राजीव मलिक, एसआई प्रवीण कुमार, कैलाश, शिवदेव सिंह,एस.पी.सिंह एएसआई रविशंकर तथा हैडका0 सुभाष की टीम ने 21 मई, 2011 को महरौली इलाके से फिरौती के लिए अपहृत चार वर्षीय अभिशेख की हत्या के आरोप में एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की जो स्वयं काफी दिनों से पीड़ित परिवार के साथ ही बच्चे को ढूंढ़ने का प्रयास कर रहा था। 24 जून को अभियुक्त ने स्वंय के नाम से सम्बोधित एक चिट्ठी पीड़ित परिवार को भिजवाई की फिरौती की रकम अपने परिचिति (अभियुक्त) के हाथ आनन्द विहार के पास भेज दें। पुलिस टीम ने अपनी पेशेवर निपुणता, बेहतर सुझबूझ और निरंतर निगरानी के चलते अभियुक्त से सच उगलवाने में सफलता अर्जित की। जॉच के दौरान ज्ञात हुआ कि अभियुक्त ने अपहरण के बाद बच्चे को गहरे जंगल में ले जाकर उसका गला रेत कर हत्या कर दी थी और अपरोक्ष रूप से पीड़ित परिवार से फिरौती का प्रयास कर रहा था।



आपात प्रतिक्रिया वाहन (E.R.V) के दस्ते के पुलिसकर्मियों ने लूट की बड़ी वारदात की साजिश को नाकाम किया

उत्तर–पश्चिमी जिला इलाके के एक आपात प्रतिक्रिया वाहन (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) पर तैनात एएसआई दयानंद, हैडकां0 रामफल तथा कां0 कप्तान सिंह ने अपनी बहादुरी, समझदारी और तत्परता से एक व्यापारी के लगभग 16 लाख रूपये लुटने से बचा कर अपनी उपस्थिति को सार्थक किया है। 1 अगस्त को रानी बाग इलाके दूध की डेयरी चलाने वाला प्रदीप सिंह नामक व्यक्ति अपने दुपहिया पर दुकान की बिक्री जमा कराने सैनिक विहार स्थित पंजाब नेशनल बैंक की तरफ जा रहा था कि अचानक तीन मोटरसाइकिल सवारों ने प्रदीप का दुपहिया रूकवा कर उसका रूपयों से भरा बैग लूट लिया। प्रदीप सिंह ने बदमाशों का पुरजोर विरोध किया। इसी बीच किसी राहगीर ने इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल टीम को घटना की जानकारी दी। टीम के सदस्यों ने तत्काल बदमाशों का पीछा किया और एक बदमाश को लूटी गई रकम सहित दबोचने में सफलता पाई। पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता ने पुलिस टीम द्वारा गई त्वरित कार्यवाही की प्रंशसा करते हुए उन्हे प्रंशसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया।

26 अगस्त 2011 को वेलकम थाना इलाके में एक 3 वर्षीय लड़की को टी.वी सीरियल से प्रेरित होकर अपहृत करने वाले अपहृतकर्ता को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के सदस्य। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला श्री संजय जैन ने घटना के बारे में संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि पुलिस टीम ने 28 अगस्त को इल्क्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से अभियुक्त को चांद बाग इलाके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्ची को सकुशल बरामद करने में सफलता अर्जित की। अपहृत बच्ची के परिजनों ने पुलिस टीम का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हुए आभार व्यक्त किया।



अपराध शाखा द्वारा यू.पी. का इनामी शार्प शूटर गिरतार

अपराध शाखा के एसीपी श्री ओ.पी.यादव, इंस्पेक्टर के.पी.सिंह तथा एएसआई रविन्द्र सिंह की टीम एक ऐसे शार्प शूटर को दबोचने मे कामयाबी रही जिसने आपसी रंजिश के चलते एक चार साल के बच्चे सहित लगभग आधा दर्जन लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इस खूंखार अपराधी ने यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल की उस समय गोली मार कर हत्या कर दी थी जब पुलिस टीम उसके यहाँ दबिश करने गई थी। पुलिस टीम को एक पुख्ता सूचना मिली थी कि गाँव बहावडी, फुगाना, मुजफ्फरनगर का रहने वाला एक बदमाश बदरपुर इलाके में अपने किसी परिचित से मिलने आ रहा है। चौकन्नी पुलिस टीम ने काफी देर इंतजार करने के बाद विवेक उर्फ विक्की नामक इस बदमाश को दबोच कर उसके कब्जे से एक देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किये। जाँच व पूछताछ के दौरान पता चला कि इस बदमाश की गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने 12 हजार रूपये का इनाम घोषित किया हुआ था और इसने अपनी पारिवारिक रंजिश के चलते कई लोगों की हत्या को अंजाम दिया था।

बीड़ी के बंडलों से नकली नोट सप्लाई करने के गोरख धंधे का भांडाफोड़

अति0उपायुक्त पुलिस श्री संजय भाटिया के नेतृत्व में एसीपी बीर सिंह, इंस्पेक्टर मनोज पंत व हैडकां0 पवन कुमार की टीम ने बंगलादेश से नकली नोट बीड़ी के बंडलों में सप्लाई करने के गोरख धंधे का भांडाफोड़ करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि 500 रूपये मूल्य के नकली नोटों की बंगलादेश से रेल मार्ग के माध्यम से तस्करी कर उन्हें राजधानी में सप्लाई किया जा रहा है। पुलिस टीम ने इशहाक अंसारी नामक एक व्यक्ति को खजूरी खास इलाके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 रूपये मूल्य के लगभग पौने छः लाख रूपये के नोट बरामद किये। पूछताछ पर पता चला कि अभियुक्त पश्चिमी बंगाल से बीड़ी के पार्सल के बीच नकली नोट छिपाकर रेलगाडी से दिल्ली भेज देता और दिल्ली आकर उस पार्सल को छुड़वा लेता था। **उपायुक्त पुलिस, अपराध श्री अशोक चांद** ने बताया कि बरामद नोटों में असली–नकली का अंतर कर बेहद मुश्किल है और पुलिस टीम इस धंधे में जुटे नेटवर्क का पर्दाफाश करने में जुटी है।

स्कूल गेट से अपहृत बच्चे को 15 घंटे में सकुशल बरामद करने पर पश्चिमी जिला पुलिस को मिली लोगों की प्रंशसा व सराहना



पश्चिमी जिला के अति0आ0पु0 श्री वी.रंगनाथन के दिशा –निर्देश में अति.उपा.पु. श्री ऋषिपाल व एसीपी पंजाबी बाग श्री सतीश यादव की टीम थानाध्यक्ष मोती नगर राजकुमार, इस्पेंक्टर राजेश कुमार, थानाध्यक्ष मुंडका रमेश चन्द्र, थानाध्यक्ष पंजाबी बाग एच.एस.पी.सिंह, थानाध्यक्ष नांगलोई धीरेन्द्र नाथ, अति0थानाध्यक्ष नांगलोई रामफल, थानाध्यक्ष कीर्ति नगर रंजय, एएटीएस इंस्पेक्टर महेन्द्र सिंह, एसआई मनोज कुमार, एसआई चरण सिंह, एएसआई ईश्वर दयाल, हैडकां0सुरेश, हैडकां0 नरेन्द्र,हैडकां0 किरोरी,हैडकां0 हेतुराम तथा कां0 विनोद,कां0 संदीप, कां0 उपेन्द्र,कां0 देवेन्द्र तथा कां0 सुदामा ने 5 जुलाई को पंजाबी बाग इलाके में स्थित हंसराज मॉडल स्कूल के गेट से अपहृत प्रथम कक्षा के छात्र पांच वर्षीय राम अरोड़ा को रोहतक रोड़ मुडंका के निकट से सकुशल बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अपहरर्णकर्ता रोहतक निवासी मिलिंद गोदी लेनदारी व जुए के रूपये चुकता करने के उद्देश्य से इस बच्चे का स्कूल गेट से अपहरण कर उसे गुडगांव ले गया। अभियुक्त ने वहॉ से दो नए मोबाइल खरीद कर पीड़ित परिवार से आरिफ भाई बनकर 15 लाख रूपये की फिरौती की मांग की। सूचना मिलने पर पंजाबी बाग पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर बच्चे को सकुशल बरामद करने के प्रयास शुरू कर दिये। पुलिस टीम ने पीड़ित परिवार को सलाह दी कि अपहरणकर्ता से लम्बी व विनम्र बात करते हुए उसका विश्वास जीतने का प्रयास करें। अपहरणकर्ता व पीड़ित परिवार के बीच हो रही टेलीफोन वार्तालाप के साथ–साथ हर संभावना पर काम करते हुए पुलिस टीम ने बच्चे को सकुशल बरामद करने और अपहरणकर्ता को दबोचने में सफलता अर्जित की। सम्पन्न परिवार से संबंध रखने वाला अपहरणकर्ता मिलिंद गोदी बेहतरीन कॉनवेंट स्कूल से शिक्षित व होटल मैनेजमैंट का कोर्स करने के साथ स्काटलैंड तथा लंदन में नौकरी भी कर चुका है। परन्तु अपनी बुरी आदतों के चलते कर्ज से उबरने के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया। प्रैस वार्ता के दौरान पीड़ित परिवार ने तहेदिल से पुलिस टीम की कार्यशैली तथा कदम–कदम पर पीड़ित परिवार को सांत्वना व साहनुभूति देने के प्रयासों की प्रंशसा करते पुलिस के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

स्पेशल सेल द्वारा मादक द्रव्य पदार्थ सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने में सफलता

एसीपी सुभाष टंडन के नेतृत्व में इंस्पेक्टर अतर सिंह, एसआई हरवीण कुमार, उमाशंकर, एएसआई राकेश कुमार, हैडकां0 राजबीर, सुरेश, बिजेन्द्र तथा रामनिवासी की टीम ने 26 जुलाई को जीटीबी अस्पताल के निकट से एक अभियुक्त मुजाहिद अली नामक व्यक्ति को गिरतार कर उसके कब्जे से एक किलो हेरोइन बरामद की है। इससे पहले भी इस पुलिस टीम ने अभियुक्त के साथियों को गिरफ्तार कर बेहतरीन किस्म की हेरोइन बरामद की थी। जॉच के दौरान पता चला कि बदायूं, बाराबंकी और बरेली के आसपास के गॉवों में अफीम की खेती की जाती है। जिसे वैधानिक रूप देने के लिए उसे सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स की निगरानी में जरूर रखते परन्तु गिरफ्तार अभियुक्त अपने साथियों के साथ हेरोइन बनाने और उसे सप्लाई करने के अवैध धंधे में शामिल हो गये। स्पेशल सेल की टीम ने पिछले कुछ महीनों में ही सात मामले दर्ज करते हुए 9.622 किलो ग्राम हेरोइन बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की है।

श्रृद्धाजंलि

मई व जुलाई माह के दौरान 44 पुलिसकर्मी सेवाकाल के दौरान पुलिस परिवार से बिछुड़ गये। पुलिस परिवार असमय बिछुड़े अपने इन साथियों को श्रद्धा सुमन और उनके आश्रितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

मर्इ माह के दौरान दिवंगत साथी: हैडकां0 कैलाश चन्द्र (दक्षिण–पश्चिमी), हैडकां0 विजय सिंह तथा हैडकां0 रोशन लाल यादव (उतर–पश्चिमी), कां0 रोहताश सिंह पंवार (प्रथम वाहिनी), एएसआई चा0 कर्णसिंह एएसआई चा0 दिनेश कुमार ,एएसआई चा0 कंवरपाल तथा हैडकां0 महेन्द्र सिंह, हैडकां0 सुखपाल सिंह (पीसीआर), एएसआई सत्यवीर सिंह तथा हैडकां0 सज्जन सिंह (दक्षिण जिला), कां0 सत्येन्द्र कुमार (राष्ट्रपति भवन) एसआई रंजीत सिंह (सुरक्षा), कां0 नरेन्द्र सिंह (नई दिल्ली),महिला कां0 रेणू बाई (दक्षिण–पश्चिमी,) तथा कां0 अंकित कुमार (पश्चिमी जिला)

जून माह के दौरान दिवंगत साथी: कां0 राजबीर सिंह (पश्चिमी जिला), एएसआई बिजेन्द्र रॉय, एएसआई चा0 बनवारी तथा हैडकां0 प्रीत सिंह (पीसीआर), कां0 जयसिंह (उतर–पश्चिमी), एसआई राजवीर सिंह (सातवीं वाहिनी), एएसआई किशन सिंह कां0 प्रवीण कुमार (उतर–पूर्वी जिला), हैडकां0 राजेन्द्र सिंह (मध्य जिला), एएसआई हरद्वारी लाल तथा कां0 विवेक सिंह (सुरक्षा), हैडकां0 विजेन्द्र कुमार (बाहरी जिला), कां0 नीरज कुमार (प्रथम वाहिनी), कां0 विक्रांत (उतर–पश्चिम) तथा स्वीपर सल्लूराम.।

जुलाई माह के दौरान दिवंगत साथी: एसआई कैलाशचंद यादव (पश्चिमी जिला), एसआई राजसिंह (प्रथम वाहिनी), एसआई जगदीश प्रसाद (पश्चिमी जिला), एसआई विजय सिंह (दक्षिणी जिला), एएसआई योगेश कुमार (मध्य जिला), एएसआई विरेन्द्र पांडे (पीसीआर), एएसआई विरेन्द्र सिंह (पूर्वी जिला),हैडकां0 अरूणन आर.(दक्षिणी जिला), हैडकां0 जंग बहादुर (मध्य जिला),कां0 राजेन्द्र सिंह (उतर–पश्चिमी जिला),कां0 महावीर (पूर्वी जिला),कां0 सुनील कुमार (प्रथम वाहिनी) तथा कुक चन्द्र प्रकाश (बाहरी जिला)

एसआई कैलाश चन्द्र यादव की सहकर्मी द्वारा दुखदः हत्या पर विभाग में गहरा शोक

21 जुलाई, 2011 की शाम पश्चिमी जिला के थाना निहाल विहार में 1996 बैच के सबइंस्पेक्टर कैलाश चन्द्र यादव की उसी थाने में तैनात 2009 बैच के एक प्रशिक्षु सबइंस्पेक्टर अमरजीत ने गोली मार कर हत्या दी। इस घृणित वारदात को अंजाम देने वाले अमरजीत को मौके पर ही दबोच लिया गया और घायल कैलाश चन्द्र यादव को तुरन्त बालाजी अस्पताल ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वर्ष 2008 में राष्ट्रपति के वीरता पदक से सम्मानित एसआई कैलाश चन्द्र कुछ माह पूर्व ही स्पेशल सेल से ट्रांसफर होकर पश्चिमी जिला के थाना निहाल विहार में आए थे। अपने काम में निपुण, मृदभाषी और मिलनसार प्रवृति के कैलाश चन्द्र ने स्पेशल सेल में पोस्टिंग के दौरान गुडगांव में बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में अदम्य साहस का परिचय देते हुए दो बदमाशों को मार गिराया था। उत्तर प्रदेश के बाहुबली मुन्ना बजरंगी और अंडरवर्ड डॉन फजर्लुरहमान को गिरफ्तार करने और वर्ष 2005 में सरोजनी नगर मार्केट पहाडगंज, गोविन्दपुरी इलाके में हुई बम ब्लास्ट की वारदात की जाँच में भी अहम भूमिका निभाते हुए अपनी पेशेवर निपुणता का परिचय दिया था। मूलरूप से झांसी (उत्तर प्रदेश) का निवासी कैलाश चन्द्र वर्तमान में अपने परिवार सहित कौशाम्बी (गाजियाबाद) में रह रहा था। परिवार में पत्नी एक पुत्र (10 वर्ष) तथा पुत्री (4 वर्ष) है।

22 जुलाई की दोपहर स्व0 एसआई कैलाशचंद्र यादव को निगम बोध घाट पर पूरे पुलिस सम्मान के साथ 31 गोलियाँ चलाकर उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था) श्री धर्मेन्द्र कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) श्री पी.एन.अग्रवाल, दक्षिणी रेंज के सयुंक्त पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, स्पेशल सेल के सयुंक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.एस. कृष्णैया व पश्चिमी जिला के अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (पश्चिमी जिला) श्री वी.रंगनाथन सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व बैचमेट्स उपस्थित थे। इस अवसर पुलिस आयुक्त ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार की तरफ से अनुकम्पा के आधार पर नौकरी के लिए आवेदन किया जाएगा तो उस पर गंभीरता से सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

वाहन चैकिंग के दौरान टवेरा कार की टक्कर से हैडकां0 निहेन्द्र की मौत व कां0 अकित घायल

27 सितम्बर की सुबह डीएनडी फ्लाईओवर पर वाहनों की चैकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन कर भाग रही एक टवेरा कार के चालक ने हैडकां0 निहेन्द्र सिंह व कां0 अंकित को टक्कर मार दी। जिससे हैडकां0 निहेन्द्र की एम्स के ट्रामा सेंटर में मृत्यु हो गई जबकि कां0 अंकित को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। इस सबंध में सयुंक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री सत्येन्द्र गर्ग ने देर शाम विस्तार से बताया कि आश्रम चौक के निकट यातायात पुलिस की एक टीम स्पीडोमीटर लगाकर वाहनों की गति चैक कर रही थी। इंटरसेप्टर वैन कर्मियों द्वारा इंगित किये जाने पर आश्रम चौक की तरफ से तेजगति से आ रही इस टवेरा कार को रोकने के प्रयास किया तो चालक ने कार रोकने के बजाय पुलिसकर्मियों को टक्कर मारते हुए भागने का प्रयास किया। जिसे बाद में पुलिस कर्मियों ने पीछाकर दबोच लिया मूलरूप से गांव मुरादपुर निजामसेर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैडकां0 निहेन्द्र सिंह शकरपुर स्थित पुलिस कॉलोनी में अपने परिवार सहित रहते थे। वर्ष 1985 में पुलिस में भर्ती हुए हैडकां0 निहेन्द्र सिंह को इसी वर्ष फरवरी माह में यातायात पुलिस में स्थानांतरित किया गया था। हैडकां0 निहेन्द्र सिंह का पुत्र सिपाही अतुल कुमार चौधरी मध्य जिला में तैनात है। इसे प्रकृति की विडम्बना ही कहा जाएगा कि 28 सितम्बर को निहेन्द्र सिंह के पुत्र अतुल की सगाई दिल्ली यातायात पुलिस में तैनात महिला सिपाही के साथ तय होने पर जहॉ परिवार में खुशी का माहौल था कि अचानक वह गम में बदल गया।

शुभकामनाएँ

सेवानिवृतिः जुलाई माह के दौरान 61 पुलिस अधिकारी एवं कर्मी सेवानिवृत हुए। पुलिस परिवार सेवानिवृत होने वाली सभी पुलिस अधिकारियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घआयु की कामना करता है। इनमें 9 एसीपी शामिल है। एसीपी श्री देवराज (आईजीआई एयरपोर्ट), एसीपी श्रीमती शांतिदेवी (पीसीआर), एसीपी श्री प्रेमनाथ (उत्तर–पश्चिमी जिला), एसीपी श्री सुरनाम सिंह रंधावा (नई दिल्ली), एसीपी श्री पी.एल.खेड़ा (यातायात), एसीपी श्री आर.के. बुद्धिराजा (पीटीसी),एसीपी श्री रामबीर सिंह (प्रथम वाहिनी), एसीपी श्री इन्द्रसिंह दहिया (उत्तर–पूर्वी जिला). एसआई मोहम्मद युसुफ, एएसआई बक्शी राम तथा एएसआई तुन्ना प्रसाद (सातवी वाहिनी), हैडकां0 राजरतन प्रसाद (आईजीआई), एसआई रामानन्द, एएसआई सुदर्शन राम, एएसआई कश्मीरी सिंह तथा हैडकां0 चन्द्रभान सिंह (पीसीआर), एएसआई गुरदयाल सिंह (उत्तर–पश्चिमी), एएसआई रामपाल सिंह तथा हैडकां0 रन सिंह (नई दिल्ली), एसआई राज सिंह तथा एएसआई मनवीर सिंह (संचार शाखा), इंस्पेक्टर प्रेमप्रकाश तथा एसआई भोपाल सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला), एसआई जगफूल सिंह तथा धोबी सोहन लाल (पीटीसी), एसआई प्रेमनाथ तथा एसआई गणपत राय (एफ.आर.आर.ओ), एएसआई मोहर सिंह तथा एएसआई अमर सिंह (पी.एंड एल), एसआई जयपाल तथा एसआई (पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह (तीसरी वाहिनी), एसआई मुक्तलाल, एसआई रमेश कुमार, तथा एसआई हरबीर सिंह (प्रथम वाहिनी), एसआई सीताराम तथा हैडकां0 राम रतन रोहिल्ला (पश्चिमी जिला), एएसआई जंग सिंह तथा श्रीराम (मध्य जिला), हैडकां0 रामजी लाल (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई शिशपाल, विष्णुदत्त तथा एसआई रघुवीर सिंह (विशेष शाखा), एसआई किशोर चंद, ओमप्रकाश, मोहिन्द्र सिंह,वेदपाल,एएसआई बुद्धसिंह, केदार सिंह तथा विनोद कुमार (सुरक्षा), एसआई विनोद कुमार तथा विनोद कुमार (उतर–पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर पुष्कर दत्त, (पुलिस मुख्यालय) एसआई सुभाष चंद, हैडकां0 मोती लाल तथा वाटर कैरियर चन्द्र मोहन (बाहरी जिला),.

अगस्त माह में सेवानिवृत हुये एसीपी : एसीपी श्री पैट्रिस टीर्की (एफ.आर.आर.ओ), एसीपी श्री कवंर सिंह यादव (सुरक्षा), श्री योगेन्द्र कुमार (यातायात) तथा एसीपी अतर सिंह (आई.जी.आई. एयरपोर्ट).

सर्वश्रेष्ठ टर्न आउट कांस्टेबल


का0 सतीश कुमार


का0 आशुतोष


का0 प्रदीप कुमार

प्रतिभाशाली छात्र/छात्राएँ


बरखा पुत्री. एस.आई. राजकुमार
दक्षिणी जिला कक्षा–10 (ग्रेड–ए 98%)


मोनिका कुमारी
पुत्री हैडका0 धर्मेन्द्र सिंह
यातायात (ग्रेड–ए 96%)


विनित ठाकुर का0 रामकृष्ण
पुलिस मुख्यालय कक्षा–10
(ग्रेड–ए 92%)


पंकज शर्मा पुत्र हैडका0 राजेश कुमार
पी.सी.आर कक्षा–12 (ग्रेड–ए 96%)


कनिष्का सुपुत्री उ0नि0 भूप सिंह
पुलिस मुख्यालय कक्षा–10
(ग्रेड–ए 94%)


अजहर एल.
पुत्र का0 लियावत अली के.
सातवी वाहिनी (कक्षा–10 ग्रेड–ए)


निकिता समरा पुत्री का0 गुरमीत सिहं
पुलिस मुख्यालय कक्षा–10
(ग्रेड–ए 94%)


गौरव कुमार
पुत्र ए.एस.आई. राजेन्द्र कुमार
दक्षिणी–पूर्वी (ग्रेड–ए 93%)


विशाल कुमार
पुत्र ए.एस.आई. राजेन्द्र कुमार
दक्षिणी–पूर्वी (ग्रेड–ए 92%)


युवनीश राणा पुत्र ए.एस.आई. वीरेन्द्र सिंह
पुलिस मुख्यालय
(कक्षा–12 ग्रेड–ए)


रोहित कुमार पुत्र का0 मंगलसेन
पुलिस मुख्यालय कक्षा–10
(ग्रेड–ए 96%)


पुत्र एस.आई [illegible]
[illegible]
कक्षा–11वीं
(ग्रेड 11वें 92%)



गार्गी सिंह ने पाया प्रथम स्थान

पूर्वी जिला के कृष्णा नगर थानाध्यक्ष श्री ए.के.सिंह की सुपुत्री गार्गी सिंह ने 21 से 23 जुलाई के बीच छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित 71वीं दिल्ली स्टेट वार्षिक एथलिट चैम्पिनशिप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। अंडर 14 इस प्रतियोगिता में दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया था। विभिन्न प्रकार के खेलों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में गार्गी सिंह ने लम्बी कूद में प्रथम स्थान तथा ऊँची कूद में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया है। श्रीनिवास पुरी स्थित कैब्रिज स्कूल में कक्षा–8 की छात्रा गार्गी सिंह न केवल खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती है बल्कि पढ़ाई में उसकी लगन के कारण अपनी स्कूल अध्यापिकाओं और अभिभावकों के बीच स्नेह का पात्र रहती है।



पुलिस आयुक्त का बधाई संदेश



श्री बी.के. गुप्ता

16 अगस्त से 28 अगस्त तक श्री अन्ना हजारे द्वारा चलाये गये आंदोलन के दौरान कानून एंव व्यवस्था के शांतिपूर्ण संचालन एवं समापन के लिए मैं दिल्ली पुलिस के प्रत्येक सदस्य को बहुत–बहुत बधाई देता हूँ। जैसा कि आपको मालूम है कि इस आंदोलन के दौरान कई बार ऐसे मौके आए जब भीड़ बेकाबू हुई और कई बार कुछ लोगों ने पुलिस से उलझने की कोशिश की। लेकिन प्रत्येक स्थिति को शांतिपूर्ण ढ़ंग से निबटाने में बल प्रयोग की जगह आपने संयम, धैर्य और निष्ठा का परिचय दिया है। कानून व्यवस्था बनाये रखने के साथ–साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ भी मुस्तैदी से कार्यवाही की। समाज के सभी वर्गों नें दिल्ली पुलिस की इस कार्यशैली की प्रंशसा की है। आप सभी ने न केवल दिल्ली पुलिस बल्कि देश की अन्य पुलिस फोर्सेस के लिए कानून एवं व्यवस्था/ पब्लिक ऑर्डर के नए मापदंड स्थापित किये हैं। आपकी लगन व कड़ी मेहनत के लिए मैं आपको बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आगे भी दिल्ली पुलिस के सदस्य ऐसी नई चुनौतियों और नई छवि के लिए पूरे परिश्रम और लगन से अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते रहेंगे।

इतिहास के पन्नों से



लकड़ी का तख्ता चोरी

मुकदमा संख्या 10/10, धारा 380 भा0द0स0, दिनाँक 20.01.1896, थाना सब्जी मंडी

संक्षिप्त तथ्यः– सुल्लड़ वल्द मवासी ने खलीलुल रहमान वल्द नबी वक्श के घर के दरवाजे से एक चौबी (लकड़ी का तख्ता), कीमत आठ आना, चुरा लिया जिसे नूर मोहम्मद धोबी ने चुराते हुये देख लिया। खलीलुल रहमान ने मुलजिम को चोरी शुदा माल के साथ पकड़ कर थाने में पेश किया।

नतीजा मुकदमा :– 2 माह की कैद (28–01–1896)

राजेन्द्र सिंह कलकल

सम्पादकः–जन–सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह–सम्पादकः उप–नि0 सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली